दैनिक भास्कर [redacted]
29 DEC 2016

# पटवाजी ने मुझे गृहस्थ जीवन में रहकर सेवा की प्रेरणा दी

मैं जब मुख्यमंत्री बना, तो समय-समय पर उन्होंने मार्गदर्शन और सुझाव दिए। मैंने जीवन भर अविवाहित रहने का निर्णय लिया था। परंतु पटवाजी ने मुझे गृहस्थ जीवन बिताते हुए राष्ट्र और समाज की सेवा में समर्पित रहने को

प्रेरित किया। मैं जब युवा मोर्चा का अध्यक्ष था, तब अयोध्या में रामजन्म भूमि आंदोलन शुरू हो चुका था। उसी दौरान पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का भोपाल दौरा हुआ था। वे मुख्यमंत्री थे। प्रशासन ने विरोध न हो, इसका बहुत प्रयास किया, लेकिन युवा मोर्चे के कार्यकर्ता वीपी सिंह को घेरने में सफल हो गए। काले झंडे दिखाए, लाठी चार्ज, पथराव में दौरा अस्त-व्यस्त हो गया। वीपी सिंह धरने पर बैठ गए। मुझे लगा कि अब खैर नहीं। पटवाजी बहुत नाराज होंगे। परंतु पटवाजी ने बाहर आकर मीडिया को बयान दिया कि रामभक्तों की मौत होने के कारण विरोध प्रदर्शन में यहां यदि चार पत्थर चल गए, तो उससे कोई पहाड़ नहीं टूट गया।

(लेखक मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान)